प्रेस नोट – प्रथम दिवस

तीन दिवसीय पूसा कृषि विज्ञान मेले का उद्घाटन केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार, माननीय श्री नरेंद्र सिंह तोमर के द्वारा

- आज से प्रारंभ हुए भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.स,नई दिल्ली द्वारा आयोजित तीन दिवसीय पूसा कृषि विज्ञान मेले का उद्घाटन केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार, माननीय श्री नरेंद्र सिंह तोमर के कर-कमलों द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में डा उधम सिंह गौतम, उप-महानिदेशक प्रसार, श्री संजय गर्ग, अपर सचिव (डेयर) एवं सचिव (भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद), श्रीमती अल्का अरोड़ा, अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार (भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद) उपस्थित थे।

- श्री तोमर जी ने स्टार्टअप्स के स्टाल पर जा कर उनके उत्पादों को देखा और उद्यमियों प्रोत्साहित किया।

- डॉ. ए.के. सिंह, निदेशक, पूसा संस्थान ने अतिथियों एवं अध्यक्ष के साथ-साथ गणमान्य व्यक्तियों और दर्शकों का इस वार्षिक कृषि कुम्भ में स्वागत किया| उन्होंने हर किसान को पूसा संस्थान द्वारा विकसित नवीन प्रजातियों के बीज उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया।

- उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव डेयर एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने की। डॉ. हिमांशु पाठक ने भारत के किसानों द्वारा इस वर्ष ३२४ मी. ट. खाद्यान की पैदावार के बारे में जानकारी दी और विषम परिस्थितियों में युद्ध एवं कोविड से जूझते विश्व की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करवाने पर सराहा और बधाई दी।

- उद्घाटन समारोह के दौरान श्री तोमर जी ने प्रगतिशील किसान श्री भगवान दास जी को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया और पांच किसानों श्री शिव प्रसाद साहनी बिहार के, श्री विकास चौधरी हरियाणा के, श्री अश्विनी सिंह चौहान मध्य प्रदेश के, श्री सुरेंद्र अवाना राजस्थान के और श्री बंश गोपाल सिंह उत्तर प्रदेश को वर्ष 2023 के लिए IARI अध्येता किसान के रूप में सम्मानित किया ।

- इस अवसर पर श्री तोमर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष के माध्यम से दुनियाभर में श्री अन्न का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, जिसके पीछे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का उद्देश्य है कि भारत के 86 प्रतिशत छोटे किसानों की ताकत बढ़ें। दिल्ली में प्रधानमंत्री के पद पर बैठकर भी श्री मोदी को गांवों में रह रहे इन छोटे किसानों की चिंता होती है। मोटा अनाज ये छोटे किसान ही उगाते आए हैं, इन्हें समृद्ध करने के लिए प्रधानमंत्री ने मोटे अनाज को "श्री अन्न" नाम से प्रतिष्ठा प्रदान कर अनेक कार्यक्रमों की आयोजना भी की है।
- मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि छोटे किसानों के सर्वांगीण हित में अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष प्रधानमंत्री श्री मोदी के चिंतन का परिणाम है, उन्होंने ही भारत सरकार की तरफ से संयुक्त राष्ट्र को यह वर्ष घोषित करने का प्रस्ताव भेजा था। प्रधानमंत्री श्री मोदी 18 मार्च 2023 को दिल्ली में होने वाले वृहद समारोह में अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष की विधिवत् लांचिंग करेंगे, जिसमें दुनियाभर के वैज्ञानिक, अन्य प्रतिनिधि व कई देशों के मंत्री शामिल होंगे। श्री तोमर ने पूसा कृषि विज्ञान मेले की थीम श्री अन्न रखने की सराहना करते हुए कहा कि इस मेले के माध्यम से भी किसानों को काफी लाभ मिलेगा। श्री तोमर ने कहा कि इस बार जी-20 की अध्यक्षता प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत के पास है और उन्होंने इसकी थीम रखी है- "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य"। प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि से भारत, दुनिया को नेतृत्व प्रदान करने की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत कृषि प्रधान है, कृषक जितनी तरक्की

करेगा, जितना समृद्ध होगा, देश उतनी तरक्की करेगा, उतना समृद्ध होगा, भारत को बढ़ाना है तो किसानों की ताकत बढ़ाना होगी।

- श्री तोमर ने कहा कि किसानों के परिश्रम, वैज्ञानिकों की कुशलता व सरकार की किसान हितैषी नीतियों के कारण हमारी कृषि दुनिया में अव्वल है। देश में खाद्यान्न व बागवानी एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में भरपूर उत्पादन हो रहा है और भारत हर क्षेत्र में अग्रणी अवस्था में आ रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि हमारे देश की खेती और उन्नत हो, इस दिशा में आगे भी सभी मिलकर काम करेंगे। कृषि क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का सामना व समाधान करना सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कृषि क्षेत्र की प्रगति के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), इसके संस्थान व कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के वैज्ञानिकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि किसानों ने इनके अनुसंधान को खेती में अपनाया, जिसके कारण कृषि उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ी है और इसका फायदा देश की अर्थव्यवस्था को भी मिल रहा है। दुनिया के राजनीतिक मंच पर भारत की साख बढ़ रही है, हमसे अपेक्षा भी बढ़ी है, ऐसे में हम सबकी जवाबदारी और बढ़ जाती है। आज भारत का परिदृष्य बदल गया है, अब भारत मांगने वाला देश नहीं है, बल्कि दुनिया हमसे सहयोग की अपेक्षा करती है।
- किसान मेला में इस वर्ष 200 से भी अधिक स्टाल लगेंगे जिनमे से लगभग 40 स्टाल कृषक उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं ।
- IARI के बीजों को खरीदने हेतु किसान भारी संख्या में मेले में पधार रहे हैं ।
- दोपहर में तकनिकी सत्र "अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष – 2023 के अंतर्गत श्री अन्न आधारित मूल्य श्रृंखला का विकास" में डॉएस पी सिंह, डॉ राज सिंह, डॉ. शालिनी गौड (भा.कृ.अनु.सं. , नई दिल्ली) डॉ राजेंदर चापके (भा. श्री. अनु.सं. -हैदराबाद) ने श्री अन्न की सस्य प्रणाली, रोग प्रबंधन एवं मूल्य वर्धन विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी सांझा की ।
- मेले का सीधा प्रसारण यू ट्यूब के द्वारा भी किया जा रहा है जिससे देश भर से किसान इससे घर बैठे भी देख पाएंगे।(https://www.youtube.com/watch?v=5V9yg7VBNHY)
- कार्यक्रम के अंत में संयुक्त निदेशक विस्तार, आईसीएआर-आईएआरआई, डॉ रवींद्रनाथ पडारिया ने धन्यवाद किया।